

अध्यापक के नाम पत्र



अब्राहम लिंकन

लेखक परिचय :

अब्राहम लिंकन अमरीका के राष्ट्रपति थे । वे एक कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ पुस्तक-प्रेमी, गंभीर विचारक और लेखक भी थे । उनका जन्म 12 फरवरी सन् 1809 ई. में एक ऐसे परिवार में हुआ, जिसके पास रहने को न अच्छा घर था और न ही बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का कोई साधन ।

उन्होंने देश को सदा के लिए दो भागों में बाँटने से बचाया और अमानवीय गुलाम प्रथा से भी देश को मुक्ति दिलाई । वे अपने प्रयत्न से विभिन्न स्थानों से पुस्तकें माँगकर रात को चूल्हे की आग के प्रकाश में पढ़कर ज्ञान प्राप्त किया करते थे । उनका निधन 15 अप्रैल सन् 1865 ई. में हुआ ।

विचार-विन्दु :

पत्र-शैली में लिखा गया यह पाठ बहुत प्रेरणादायक है । इसमें अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने पुत्र के अध्यापक को एक पत्र लिखा है - जिसमें अध्यापक के द्वारा किसी विद्यार्थी को ईमानदार, परिश्रमी, धैर्यवान, आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ अपने विचार स्वयं बनाने पर बल दिया है, ताकि उसको अपने आप पर पूरा विश्वास हो ।

अध्यापक के नाम पत्र

अमेरिका के मशहूर राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने बेटे के हेडमास्टर को एक चिट्ठी लिखी थी । बरसों बाद भी एक पिता की सलाह आज उतनी ही खरी है, जितनी कल थी ।

चिट्ठी कुछ इस तरह थी-

“उसे बहुत कुछ सीखना है । मैं जानता हूँ कि सभी इंसान ईमानदार और सच्चे नहीं होते, लेकिन हो सके तो उसे किताबों के जादू के बारे में सिखाइए । इसके अलावा हो सके तो उसे चीज़ों के बारे में सोचने का वक्त भी दीजिए, ताकि पंछियों के आसमान में उड़ान भरने, मधुमक्खियों के धूप में थिरकने और हरे-भरे पहाड़ों पर फूल के खिलने के रहस्यों पर सोच सके । स्कूल में उसे सिखाइए कि धोखा देने से असफल होना अच्छा है । भले ही दुनिया उसके विचारों को गलत बताए, लेकिन वह अपनी सोच पर भरोसा रखना सीखे । उसे विनम्रों के साथ विनम्रता और सख्त इंसानों के साथ सख्ती करना सिखाइए । उसे इतनी ताकत दीजिए कि वह लकीर का फ़कीर होकर भीड़ के साथ न चल पड़े । उसे सिखाइए कि वह सबकी बातें सुने, लेकिन उन्हें सच की कसौटी पर कसे और केवल सही चीज़ों को ही मंजूर करे ।

उसे सिखाइए कि कैसे दुख में भी हँसा जाता है....कि आँसू अगर बहे तो उसमें कोई शर्म नहीं है । उसे सिखाइए कि सनकी लोगों को झिड़क दे और बहुत मीठी-मीठी बातों से सावधान रहे । अपनी ताकत और दिमाग की ऊँची कीमत तो लगाए, लेकिन अपने दिल और आत्मा का सौदा न करे । उसे सिखाइए कि अगर उसे लगता है कि वह सही है तो सामने खड़ी हुई चीखती भीड़ को अनसुना कर दे । उसके साथ नरमी से पेश आइए, लेकिन हमेशा गले से लगाकर मत रखिए, क्योंकि आग में तपकर ही लोहा फ़ौलाद बनता है ।

उसे इतना बहादुर बनाइए कि वह आवाज़ उठा सके, इतना धैर्यवान बनाइए कि बहादुरी दिखा सके । उसे खुद में भरोसा करना सिखाइए, ताकि वह इंसानियत में भरोसा रख सके । मेरी उम्मीदें ढेर सारी हैं, देखते हैं कि आप क्या कर सकते हैं । मेरा बेटा एक अच्छा बच्चा है ।”

शब्दार्थ

मशहूर - ख्याति प्राप्त, प्रसिद्ध । सलाह - परामर्श । खरी - सही, बढ़िया, अच्छा । इंसान - मनुष्य, नर । ईमानदार - सच्चा, विश्वास पात्र । जादू - इन्द्रजाल । अलावा - सिवाय, अतिरिक्त । चीजें - सामान, सामग्री । वक़्त - समय । ताकि - इसलिए कि । पंछी - पक्षी, चिड़िया । सोच - चिन्ता, फ़िक्र । थिरकना - नाच में पाँव का उठाना । हरे भरे - हरे पेड़-पत्तों से भरा । धोखा - भ्रम में डालनेवाला मिथ्या व्यवहार, छल । गलत - भूल, अशुद्ध । विनम्रता - नरमी का व्यवहार । सख़्त - कठोर । ताकत - शक्ति, बल । लकीर का फकीर - पुरानी परंपरा पर चलने वाला (मुहावरा) । फकीर - साधु, त्यागी । कसौटी - परीक्षा, जाँच, परख । मंजूर - स्वीकार । शर्म - लज्जा । सनकी - पागलों की-सी प्रकृति या आचरण वाले । झिड़कना - अवज्ञा या तिरस्कार पूर्वक बिगड़कर कड़वी बात करना । दिमाग - मस्तिष्क । कीमत - दाम, मूल्य । सौदा - माल, पदार्थ, वस्तु । सही - ठीक, शुद्ध । अनसुना - न सुनना । पेश - आगे, सामने । हमेशा - सदा, सर्वदा । गले लगाना - आलिंगन करना (मुहावरा) । आग - अग्नि । फौलाद - पक्का लोहा । बहादुर - साहसी, उत्साही । आवाज - शब्द, ध्वनि । आवाज उठाना - विरोध करना (मुहावरा) । भरोसा - विश्वास । इंसानियत - मानवता । उम्मीद - आशा, भरोसा ।

1. इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए :

- (क) अब्राहम लिंकन ने हेडमास्टर से क्या चाहा ?
- (ख) वे अपने पुत्र में किन-किन गुणों का समावेश देखना चाहते हैं ?
- (ग) अब्राहम लिंकन ने हेडमास्टर को चिट्ठी क्यों लिखी थी ?
- (घ) बच्चों को सोचने के लिए वक्त देने की क्या आवश्यकता है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए :

- (क) यह पत्र किसने किसको लिखा है ?
- (ख) अब्राहम लिंकन कौन थे ?
- (ग) लिंकन किसे, क्या सिखाने की प्रार्थना करते हैं ?
- (घ) स्कूल में उसे क्या सिखाना अच्छा है ?
- (ङ) उसे इतनी ताकत दीजिए कि वह क्या-होकर भीड़ के साथ न चल सके ?
- (च) उसे सबकी बात सुनकर किसकी कसौटी पर कसनी चाहिए ?
- (छ) कौन-सी बात शर्म की बात नहीं है ?
- (ज) किस बात से उसे सावधान रहना चाहिए ?
- (झ) व्यक्ति को किसका सौदा नहीं करना चाहिए ?
- (ञ) लोहा कैसे फौलाद बनता है ?
- (ट) लिंकन बेटे को बहादुर और धैर्यवान क्यों बनाना चाहते थे ?
- (ठ) पत्र के अंत में लिंकन क्या चाहते हैं ?

3. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के चार विकल्प दिए गए हैं । सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) 'अध्यापक के नाम पत्र' किसने लिखा है ?

- (i) अध्यापक ने
- (ii) राष्ट्रपति ने
- (iii) बेटे ने
- (iv) अब्राहम लिंकन ने

(ख) लिंकन ने किसके अध्यापक को पत्र लिखा ?

- (i) माता के
- (ii) बेटे के
- (iii) हेडमास्टर के
- (iv) पिता के

(ग) 'अब्राहम लिंकन' किस चीज का जादू सिखाने का आग्रह करते हैं ?

- (i) किताब
- (ii) ईमानदारी
- (iii) सच्चाई
- (iv) चीज

(घ) आसमान में कौन उड़ता है ?

- (i) मधुमक्खी
- (ii) पहाड़
- (iii) पक्षी
- (iv) धूप

(ड) उसे किसकी कसौटी पर कसना चाहिए ?

- (i) झूठ
- (ii) सच
- (iii) भय
- (iv) सोना

(च) आँसू अगर बहे तो उसमें क्या नहीं करना चाहिए ?

- (i) द्वेष
- (ii) शर्म
- (iii) दुःख
- (iv) घृणा

(छ) धोखा देने से अच्छा क्या है ?

- (i) इंसान बनना
- (ii) असफल होना
- (iii) भरोसा रखना
- (iv) सफल होना

(ज) आग में तपकर लोहा क्या बनता है ?

- (i) गर्म
- (ii) नरम
- (iii) फौलाद
- (iv) ताकत

(झ) आवाज उठाने के लिए क्या बनना चाहिए ?

- (i) बहादुर
- (ii) चोर
- (iii) स्थिर
- (iv) अस्थिर

(ञ) मेरा बेटा एक कैसा बच्चा है ?

- (i) बुरा
- (ii) दुष्ट
- (iii) अच्छा
- (iv) सुन्दर

भाषा - ज्ञान

1. 'ई' प्रत्यय का प्रयोग करके नए शब्द बनाइए ।

जैसे :

सनक + ई = सनकी

नरम + ई =

झिड़क + ई =

कीमत + ई =

ईमानदार + ई =

मेहनत + ई =

बहादुर + ई =

सख्त + ई =

2. (क) पंछी आकाश में उड़ता है।

(ख) चिड़िया आसमान में उड़ती है ।

ऊपर के (क) वाक्य में पंछी और (ख) वाक्य में चिड़िया एक ही अर्थ बतलाते हैं । उसी प्रकार (क) वाक्य में आकाश और (ख) वाक्य में आसमान एक ही अर्थ बतलाते हैं । अतः पंछी शब्द का समानार्थक शब्द चिड़िया और आकाश का समानार्थक शब्द आसमान है । इस प्रकार निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए ।

ताकत, कीमत, फूल, वक्त, इन्सान, दुनिया, गलत, मंजूर, सावधान, हमेशा, सख्त

3. निम्नलिखित गद्यांश में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए :

‘उसे बहुत कुछ सीखना है । मैं जानता हूँ कि सभी इन्सान ईमानदार और सच्चे नहीं होते, लेकिन हो सके तो उसे किताबों के जादू के बारे में सिखाइए ।’

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

| | |
|--------|----------|
| बहादुर | धैर्यवान |
| इंसान | नरम |
| सच्चा | विनम्र |
| अच्छा | |

5. बहुवचन रूप लिखिए :

| | |
|-----------------|--------------|
| मधुमक्खी..... | सच्चा |
| वह | उसे |
| बच्चा | बेटा |
| किताब में | चीज के |

| | |
|---------------|----------------|
| पंछी के | रहस्य के |
| गला | आवाज |
| ताकत | लकीर |
| कसौटी | बात |
| सौदा | उम्मीद |

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

- (क) रहस्य
- (ख) सावधान
- (ग) अलावा
- (घ) धैर्यवान
- (ङ) फौलाद
- (च) आवाज

7. उदाहरण के अनुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए ।

उदाहरण : हमेशा गले लगाइए । हमेशा गले मत लगाइए ।

- (क) उन्हें सच की कसौटी पर कसें ।
- (ख) हमेशा आँसू बहाइए ।
- (ग) उसे इतना बहादुर बनाइए ।
- (घ) हमेशा दूसरों की बात सुनिए ।

